हिंदी पाठ 5 "मिठाईवाला "(कहानी) के नोट्स (Notes)

+ हिंदी व्याकरण(भाषा, लिपि और व्याकरण)

नोट- पाठ 5 (मिठाईवाला) के लिए निर्देश

(1) कॉपी में सबसे पहले 20 कठिन शब्द (एक बार) फिर प्रश्न-उत्तर और फिर पाठ का अभ्यास कार्य लिखें।

(२)अभ्यास -कार्य के प्रश्न नही लिखना है,सीधे उत्तर लिखें।

(3) पाठ का सारांश और शब्दार्थ केवल पढ़ने और समझने के लिए है, इसे कॉपी में नही लिखना है।

(4) पाठ को निम्न - लिखित क्रम में समझें-

(क)सर्वप्रथम पाठ का वाचन(रीडिंग)करें।

(ख)तत्पश्चात पाठ का सारांश और शब्दार्थ पढ़े।

(ग)फिर कठिन शब्द ,प्रश्न-उत्तर तथा अभ्यास कार्य लिखें।

मिठाईवाला कहानी का सारांश (summary)

यह कहानी भगवतीप्रसाद वाजपेयी जी ने लिखी है।जिसमें कहानीकार ने एक पिता का बच्चों के प्रति प्रेमभाव को दर्शाया है| किस तरह से एक पिता अपने बच्चों को खोने के बाद अन्य बच्चों में उस ख़ुशी की तलाश करता है|

एक आदमी पहले एक खिलौनेवाले के रूप में आता है। वह मधुर स्वर में बच्चों को बहलाने वाला, खिलौनेवाला' गाकर सुनाता है। सभी बच्चे उसके खिलौनों पर रीझकर अपनी तोतली आवाज़ में भाव (कीमत)पूछते हैं। नन्हे-नन्हे बच्चों से पैसे लेकर तथा उन्हें खिलौने देकर वह फिर वहाँ से गीत गाता हुआ चल पड़ता है| राय विजय बहादुर के बच्चे चुन्नू-मुन्नू भी एक दिन खिलौने लेकर आए। उनकी माँ रोहिणी इतने सुंदर और सस्ते खिलौने देखकर सोचने लगी कि वह इतने सस्ते खिलौने कैसे दे कर गया।

इसके छह महीने बाद नगर में किसी मधुर मुरली बजाकर बेचने वाले का समाचार शहर

फैल गया। वह बहुत सस्ती मुरली बेचता था। रोहिणी उसकी आवाज़ सुनकर पहचान गयी कि ये तो वही खिलौनेवाला है| रोहिणी ने अपने पति के द्वारा इस मुरलीवाले को बुलाया तथा अपने बच्चों के लिए मुरली खरीद ली। मुरलीवाले को देख बच्चों का समूह खुश होकर उसके चारों तरफ़ इकट्ठा हो गया। मुरली वाले ने सभी बच्चों को मुरली देने के बाद उस बच्चे को भी मुफ्त में मुरली दी जिसके पास पैसे भी नहीं थे।

इसके आठ मास बाद सर्दियों में एक मिठाई बेचने वाला गीत गाता हुआ आया। रोहिणी को इसका स्वर भी कुछ सुना हुआ-सा लगा। वह अपनी छत से तुरंत नीचे आई। उसने अपनी दादी के माध्यम से मिठाईवाले को बुलाया। रोहिणी के पूछने पर उसने बताया कि वह इससे पहले खिलौने और मुरली बेचने आया था। रोहिणी ने उससे पूछा कि वह इतनी सस्ती चीज़ें क्यों बेचता है| मिठाईवाले ने बताया कि वह एक नगर का अमीर आदमी था। उसके दो बच्चे और एक सुंदर पत्नी थी लेकिन एक दुर्घटना में उन सभी की मृत्यु हो गई।अब कुछ भी नहीं रहा। वह अपनी पुरानी बातें याद करके फूट-फूटकर रोने लगा। उसने बताया कि वह इन्हीं बच्चों में अपने बच्चों की झलक देखने के लिए यह सामान बेचता फिरता है। वह रोहिणी के बच्चों चुन्नू-मुन्नू को कागज़ की पुड़िया में मिठाई बिना पैसे लिए ही देकर गीत गाता चल दिया।

नोट - पाठ का सारांश केवल पढ़ने और समझने के लिए है।इसे कॉपी में नही लिखना है।

कठिन शब्दार्थ

(पृष्ठ : 22)–**बहलाने वाला** : भुलावा देने वाला (diverter of one's mind); **मादक** : नशा उत्पन्न करने वाला (fascinating); **मधुर** : मीठा (melodious); **अस्थिर** : चंचल (restless); **स्नेहाभिषिक्त (स्नेह + अभिषिक्त)** : प्यार से सराबोर, प्यार से परिपूर्ण (friendly); **कंठ** : गला (throat); **फूटा हुआ** : निकला हुआ (spoken); **उपयुक्त** : सही (proper); **चिक** : बाँस की तीलियों आदि से बना झीना परदा (a curtain made from split bamboo sticks); **छज्जा** : दीवार से बाहर निकली छत का बाहरी भाग (the projecting eaves in a house); **अंतर्व्यापी** : अंदर तक फैला हुआ; **उद्यानों** : बगीचों (gardens); **इछका-इसका** (its); **हिलोर** : तरंग, लहर (wave); **मेला घोला केछा छुंदल ऐ** : मेरा घोड़ा कैसा सुंदर है? (how beautiful my horse is); **औल** : और (and)।

मुहावरे–**हलचल मच जाना**–उथल-पुथल मच जाना। **पुलकित होना**–प्रसन्न हो जाना।

(पृष्ठ : 23)–**निरखती रही** : देखती रही (looked); **साफ़ा** : पगड़ी (turban)।

(पृष्ठ : 24)–**आकार-प्रकार** : रूप रंग (appearance); **उस्ताद** : प्रवीण (expert); **स्मरण हो आया** : याद आ गया (remembered)।

(पृष्ठ : 25)–**झुंड** : समूह (group); **अम बी लेंदे मुल्ली** : हम भी लेंगे मुरली (we shall also buy flute); **हर्ष-गद्‌गद्‌ होना** : बहुत ही खुश होना (to be full of joy)।

एहसान लावना : कृतज्ञता जताना (to show gratefulness); **अप्रतिभ** : उदास (bewildered); **लागत** : कीमत (cost); **वस्तूर** : रिवाज़ (habit); **हानि** : नुकसान (loss); **लूट रहा** : ठग रहा (is cheating); **काहे को** : क्यों (why)।

(पृष्ठ : 26)–**दुअन्नी** : दो आने अर्थात् लगभग 12 पैसे मूल्य का सिक्का जो पुराने समय में प्रचलन में था, अब नहीं। **तरकीब** : उपाय (methods); **धोती** : साड़ी (saree)।

मुहावरे–**मारा-मारा फिरना**–बिना अर्थ के इधर-उधर घूमना। **पेट जो न कराए सो थोड़ा**–पेट की भूख शांत करने के लिए अनेक प्रकार की कठिनाइयाँ सहकर काम करना पड़ता है।

क्षीण : कमज़ोर (feeble); **स्नेहसिक्त** : प्रेमभरी (friendly); **स्मृति** : याद (remmberance); **आजानुलंबित** : घुटनों तक लंबे (long and reaching up the knee or thigh); **केश-राशि** : सिर के सुंदर बाल (good looking hair on the head)।

(पृष्ठ : 27)–**झट से** : तुरंत (at once); **ज़ायकेदार** : स्वादिष्ट (tasty); **टिकना** : देर तक न पिघलना, रुकना। **चाव** : रुचि (interest); **पहलदार** : मोटी परत वाली (the side of a rectilineal figure)।

(पृष्ठ : 28)–**मोल-भाव करना** : दाम कम करवाना (to bargain); **पोपला** : पिचका एवं सिकुड़ा हुआ (shrivelled); **निवासी** : रहने वाला (resident)। **चेष्टा** : कोशिश (bodily action); **हर्ष** : खुशी (joy); **संशय** : संदेह (suspicion); **विस्मय** : ताज्जुब (astonishment); **अनुमान** : अंदाज़ा (guess); **अस्थिर** : बेचैन (restless); **व्यवसाय** : रोज़गार, कारोबार (profession); **व्यर्थ** : बेकार (useless); **उत्सुक** : जिज्ञासु (curious)।

(पृष्ठ : 29)–**अतिशय** : अत्यधिक, बहुत अधिक (very much); **प्रतिष्ठित** : सम्मानित (respected); **सोने का संसार** : सुखमय जीवन (happy life); **वैभव** : ऐश्वर्य (richness); **अठखेलियाँ** : बच्चों के क्रियाकलाप (activities of children in a happy mood); **विधाता** : ईश्वर (God); **जनमे** : पैदा हुए (have borned); **झलक** : हल्की सी उपस्थिति (a light appearance); **तर** : गीला (wet); **लिपटना** : आलिंगन करना (to embrace)।

मुहावरे–प्राण होना-अत्यधिक प्रिय होना। **कोलाहल मचा रहना**-शोर शराबा बना रहना। **घुल-घुलकर मरना**-दुख सहते हुए मरना।

तत्काल : तुरंत (at once); **मृदुल** : कोमल (tender)।

नोट - पाठ के शब्दार्थ केवल पढ़ने और समझने के लिए है।इसे कॉपी में नही लिखना है।

प्रश्न- उत्तर (कहानी से)

1) मिठाईवाला अलग-अलग चीज़ें क्यों बेचता था और वह महीनों बाद क्यों आता था?

उत्तर - बच्चे एक ही चीज से उबता न जाएँ इसलिए वह बच्चों को पसंद आने वाली अलग-अलग चीजें बदल-बदलकर बेचता था।

दूसरा वह महीनों बाद इसलिए आता था ताकी उसकी चीजों में बच्चों की उत्सुकता बनी रहे ।और उसे पैसों का कोई लालच भी न था क्योंकि वह तो केवल अपने मन की संतुष्टि

के लिए बच्चों की मनपसंद चीज़ें बेचा करता था।

2) मिठाईवाले में वे कौन से गुण थे जिनकी वजह से बच्चे तो बच्चे, बड़े भी उसकी ओर खिंचे चले आते थे ?

उत्तर - निम्नलिखित कारणों से बच्चे तथा बड़े मिठाईवाले की ओर खिंचे चले आते थे-
(i) मिठाई वाला मादक – मधुर ढंग से गाकर अपनी चीज़ों को बेचता था।
(ii) वह कम लाभ में बच्चों को खिलौने तथा मिठाइयाँ देता था।
(iii) उसके हृदय में बच्चों के लिए स्नेह था, वह कभी गुस्सा नहीं करता था।
(iv) वह हर बार नई चीज़ें लाता था।

3) विजय बाबू एक ग्राहक थे और मुरलीवाला एक विक्रेता। दोनों अपने-अपने पक्ष के समर्थन में क्या तर्क पेश करते हैं ?

उत्तर- एक ग्राहक के तौर पर विजय बाबू तर्क देते हैं कि दुकानदार को झूठ बोलने की आदत होती है। सामान सबको एक ही भाव में देते हैं पर पहले अधिक और फिर कम दाम बताकर ग्राहक पर एहसान का बोझ डाल देते है।

एक विक्रेता के तौर पर मुरलीवाला तर्क देता है कि ग्राहक को सामान की असली लागत का पता नहीं होता है और दुकानदार हानि उठाकर सामान क्यों न बेचे पर ग्राहक को लगता है कि दूकानदार उसे लूट ही रहा है।

एक ग्राहक के रूप में विजय बाबू अपना तर्क पेश करते हुए कहते है कि तुम लोगों को झूठ बोलने की आदत होती है। एक विक्रेता के रूप में मुरलीवाला अपना तर्क पेश करता हुआ कहता है – आपको चीज़ों की असली लागत का अंदाजा नहीं है इसलिए दुकानदार चाहे हानि उठाकर ही चीज़ें क्यों न बेचे पर ग्राहक को हमेशा यही लगता है कि हम उन्हें लूट रहे हैं।

4) खिलौनेवाले के आने पर बच्चों की क्या प्रतिक्रिया होती थी ?

उत्तर - खिलौनेवाले की मादक मधुर आवाज़ सुनकर बच्चे चंचल हो उठते। उसके स्नेहपूर्ण कंठ से फूटती हुई आवाज़ सुनकर निकट के मकानों में हल-चल मच जाती। गलियों तथा उनके भीतर स्थित छोटे-छोटे उद्यानों में खेलते और इठलाते हुए बच्चों का समूह अपने जूते- टोपी को उद्यान में ही भूलकर उसे घेर लेते और वे अपने-अपने घरों से पैसे लाकर खिलौनों का मोल-भाव करने लगते। बच्चे खिलौने देखकर पुलकित हो उठते थे। खिलौने पाकर बच्चे खुशी से उछलने – कूदने लगते थे।

5) रोहिणी को मुरलीवाले के स्वर से खिलौनेवाले का स्मरण क्यों हो आया ?

उत्तर - रोहिणी को मुरलीवाले के स्वर से खिलौनेवाले का स्मरण हो आया क्योंकि उसे वह आवाज़ जानी-पहचानी लगी। उसे स्मरण हो आया कि खिलौनेवाला भी इसी प्रकार मधुर कंठ से गाकर खिलौने बेचा करता था और इस मुरलीवाले का स्वर भी उसी तरह का था। ये भी ठीक वैसे ही मधुर आवाज़ में गा-गाकर मुरलियाँ बेच रहा था।

रोहिणी को मुरलीवाले का स्वर जाना पहचाना लगा। इसलिए उसे खिलौनेवाले का स्मरण हो आया।

6) किसकी बात सुनकर मिठाईवाला भावुक हो गया था ? उसने इन व्यवसायों को अपनाने का क्या कारण बताया ?

उत्तर - मिठाईवाला रोहिणी की बात सुनकर भावुक हो गया था।
उसने इस छोटे व्यवसाय को अपनाने का कारण यह बताया कि इससे उसे अपने मृत (मरे हुए)बच्चों की झलक दूसरों के बच्चों में मिल जाती है। उसे ऐसा लगता है कि उसके बच्चे इन्हीं में कहीं हँस – खेल रहे हैं। यदि वो ऐसा नहीं करता तो उनकी याद में घुल-घुलकर मर जाता ।बच्चों के साथ रहकर उसे संतोष, धैर्य व असीम सुख की प्राप्ति होती है।

7) 'अब इस बार ये पैसे न लूँगा '-कहानी के अंत में मिठाईवाले ने ऐसा क्यों

कहा ?

उत्तर - अब इस बार ये पैसे न लूँगा' - कहानी के अंत में मिठाईवाले ने ऐसा इसलिए कहा क्योंकि एक तो पहली बार किसी ने उसके प्रति इतनी आत्मीयता दिखाई और उसके दु:ख को समझने का प्रयास किया दूसरा उसे रोहिणी के बच्चे चुन्नू-मुन्नु में अपने ही बच्चे नज़र आए।

अर्थात चुन्नू और मुन्नू को देखकर उसे अपने बच्चों का स्मरण हो आया। उसे ऐसा लगा मानो वो अपने बच्चों को ही मिठाई दे रहा है।

8) इस कहानी में रोहिणी चिक के पीछे से बात करती है। क्या आज भी औरतें चिक के पीछे से बात करती हैं? यदि करती हैं तो क्यों? आपकी राय में क्या यह सही है?

उत्तर - हाँ आज भी कुछ पिछड़े ग्रामीण, रुढ़िवादी और कुछ जाति विशेष परिवारों में पर्दा प्रथा का चलन है।

मेरी राय में ये बिल्कुल भी उचित नहीं है। ये प्रथा न केवल स्त्रियों की स्वतंत्रता का हनन करती है बल्कि उनकी प्रगति में भी रूकावट उत्पन्न करती है। साथ ही इस प्रकार की प्रथाएँ हमारे देश की छवि को भी विश्व-पटल पर धूमिल करती है।

शहरों में स्त्रियाँ चिक के पीछे से बात नही करतीं परन्तु आज भी गाँवों में तथा रूढ़िवादी परिवारों में इनका पालन होता है क्योंकि ऐसा करना संस्कार के साथ-साथ सम्मान के तौर पर भी लिया जाता है।

मेरी राय में यह बिलकुल भी उचित नही है यह स्त्रियों की स्वतंत्रता के हनन करने जैसा है। ये उनकी प्रगति को तो रोकता ही है। साथ ही देश की प्रगति में भी संकट पैदा करता है।

भाषा की बात (अभ्यास - कार्य)

प्रश्न 1) मिठाईवाला , बोलनेवाली , गुड़िया

•ऊपर 'वाला' का प्रयोग है। अब बताइए कि-
(क) 'वाला' से पहले आने वाले शब्द संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण आदि में से क्या हैं?

(ख) ऊपर लिखे वाक्यांशों में उनका क्या प्रयोग है?

उत्तर
(क) मिठाईवाला
वाला से पहले आने वाला शब्द संज्ञा है।
बोलनेवाली गुडिया
बोलनेवाली - विशेषण शब्द है।
गुड़िया शब्द - संज्ञा है।
(ख) ऊपर वाले वाक्यांश में उनका प्रयोग किसी व्यक्ति और वस्तु के लिए हुआ है।

व्याकरण

हिंदी व्याकरण (भाषा ,लिपि और व्याकरण)

नोट- इस पाठ को ध्यान से पढ़ें और अभ्यास-कार्य को हल(solve)करके कॉपी में लिखें।रचनात्मक गतिविधि को हल(solve)नही करना है।

गरिमा

हिंदी व्याकरण तथा रचना

7

सृजन

1 भाषा, लिपि और व्याकरण

भाषा

मनुष्य ही एक ऐसा प्राणी है जो सोच-समझ सकता है, अपने मन के भावों और विचारों को दूसरों तक पहुँचा सकता है। अपनी बात दूसरों तक पहुँचाना तथा उनकी बात समझना भाषा कहलाता है।

भाषा वह साधन है, जिसके द्वारा मनुष्य अपने भावों और विचारों का आदान-प्रदान करता है।

भाषा शब्द संस्कृत की भाष् धातु से बना है जिसका अर्थ है- वाणी यानी आवाज़।

भाषा के रूप

भाषा के दो रूप होते हैं– 1. मौखिक भाषा 2. लिखित भाषा।

1. मौखिक भाषा

इस चित्र में लोग बोलकर और सुनकर अपनी बात एक-दूसरे तक पहुँचा रहे हैं।

बोलकर अपनी बात प्रकट करना और सुनकर समझना मौखिक भाषा कहलाता है।

टेलीफ़ोन पर बात करना, रेडियो सुनना, टी.वी. देखना, भाषण सुनना, फ़िल्म देखना, बातचीत करना आदि मौखिक भाषा है।

लिखित भाषा

छात्रा पुस्तक में लिखी कहानी पढ़ रही है।

लिखकर अपने भाव प्रकट करना तथा पढ़कर दूसरों के भाव समझना लिखित भाषा कहलाता है।

पत्र, कहानी आदि लिखना-पढ़ना, समाचार पत्र पढ़ना, विद्यालय का गृहकार्य करना आदि लिखित भाषा है।

सांकेतिक भाषा

संकेतों या इशारों द्वारा अपनी बात दूसरों को समझाना सांकेतिक भाषा कहलाता है। चौराहे पर लाल-हरी बत्ती, जगह-जगह लगे सड़क सुरक्षा चिह्न, मूक-बधिरों द्वारा प्रयोग किए संकेत आदि सभी सांकेतिक भाषा में आते हैं।

मातृभाषा

हम बचपन में अपने घर से जिस भाषा को बोलना सीखते हैं, उसे मातृभाषा कहते हैं। प्रत्येक व्यक्ति की मातृभाषा अलग हो सकती है। जैसे – गुजरात में जन्मे व्यक्ति की मातृभाषा गुजराती होगी, रूस में जन्मे व्यक्ति की मातृभाषा रूसी होगी आदि।

राष्ट्रभाषा

जिस भाषा को किसी देश के अधिकांश निवासी बोलते-लिखते तथा समझते हैं, वह उस देश की राष्ट्रभाषा कहलाती है। सभी देशों की अपनी-अपनी राष्ट्रभाषा है, जैसे – जापान की जापानी।

राजभाषा

देश के कार्यालयों तथा प्रशासन के कार्यों में जो भाषा प्रयोग में लाई जाती है, उसे राजभाषा कहते हैं। भारत में हिंदी एवं अंग्रेज़ी दोनों राजभाषा हैं। 14 सितंबर 1949 को भारत के संविधान ने हिंदी को राजभाषा घोषित किया था। तभी से प्रतिवर्ष 14 सितंबर को हिंदी दिवस मनाया जाता है।

मानक भाषा

भाषा में एकरूपता लाने के लिए भाषा का मूल रूप मानक भाषा कहलाता है।

भारत की भाषाएँ

भारत में बहुत-सी भाषाएँ बोली जाती हैं। इनमें से 22 भाषाओं को भारत के संविधान में मान्यता दी गई है। कुछ राज्य और उनकी भाषाएँ नीचे दी जा रही हैं –

राज्य	भाषा	राज्य	भाषा	राज्य	भाषा
गुजरात	गुजराती	महाराष्ट्र	मराठी	कश्मीर	कश्मीरी/उर्दू
आंध्र प्रदेश	तेलुगु	असम	असमिया	पंजाब	पंजाबी
ओडिशा	ओड़िया	कर्नाटक	कन्नड़	केरल	मलयालम

लिपि

प्राचीन समय में भाषा का मौखिक रूप ही प्रचलित था, जब मनुष्य को यह लगा कि वह अपने विचार दूर बैठे लोगों तक कैसे पहुँचाए, तो उसने अपनी उच्चरित ध्वनियों के लिए कुछ चिह्न विकसित किए। यही ध्वनि चिह्न लिपि कहलाते हैं।

मुख से निकली ध्वनियों को लिखने के लिए निश्चित किए चिह्नों को लिपि कहते हैं।

हर भाषा की अपनी लिपि होती है। एक ही लिपि एक से ज़्यादा भाषाओं की लिपि हो सकती है; जैसे –

देवनागरी लिपि हिंदी और संस्कृत के अतिरिक्त नेपाली, बोडो, डोगरी और मराठी भाषाओं की लिपि भी है।

रोमन लिपि में अंग्रेज़ी के अतिरिक्त जर्मन और फ्रेंच भाषाएँ भी लिखी जाती हैं।

कुछ अन्य भाषाओं की लिपि हैं –

भाषा	लिपि	भाषा	लिपि	भाषा	लिपि
मलयालम	मलयालम	बांग्ला	बांग्ला	अंग्रेज़ी	रोमन
मराठी	देवनागरी	उर्दू	अरबी-फ़ारसी	पंजाबी	गुरमुखी

व्याकरण

व्याकरण वह शास्त्र है, जिसके द्वारा भाषा के नियमों का ज्ञान होता है। हर भाषा का अपना व्याकरण होता है।

भाषा के शुद्ध रूप का ज्ञान कराने वाला शास्त्र व्याकरण कहलाता है।

व्याकरण के अंग

वर्ण-विचार – व्याकरण का यह भाग वर्णों के भेद, उच्चारण और वर्तनी का ज्ञान कराता है।

शब्द-विचार – इसमें शब्दों की रचना, उत्पत्ति, भेद, पद आदि से संबंधित बातों का उल्लेख किया जाता है।

वाक्य-विचार – वाक्यों के भेद, रचना, रूपांतरण आदि से संबंधित जानकारी वाक्य-विचार से ही मिलती है।

अब तक हमने सीखा

- लिपि के माध्यम से मौखिक भाषा को लिखित रूप मिलता है।
- एक भाषा की वाक्य-रचना दूसरी भाषा की वाक्य-संरचना से प्रायः अलग होती है।
- हिंदी भाषा भारत की राजभाषा है। इसे ही भारत की राष्ट्रभाषा भी कहा जाता है।

अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

   (क) भाषा शब्द की उत्पत्ति कैसे हुई है?

   (ख) मातृभाषा किसे कहते हैं?

   (ग) हिंदी को राजभाषा कब घोषित किया गया?

   (घ) लिपि क्या होती है?

   (ङ) व्याकरण की क्या उपयोगिता है?

2. कोष्ठक से उचित शब्द छाँटकर रिक्त स्थान भरिए।

   (क) संविधान के अनुसार हिंदी भारत की _____ है। (राजभाषा, राष्ट्रभाषा)

   (ख) मूल रूप से व्याकरण के _____ अंग हैं। (दो, तीन, चार)

   (ग) संस्कृत की लिपि का नाम _____ है। (गुरमुखी, देवनागरी, रोमन)

   (घ) भारतीय संविधान में _____ भाषाओं को मान्यता है। (सत्ताइस, बाइस, दस)

3. कथनों के आगे सही (✓) अथवा गलत (✗) का चिह्न लगाइए।

   (क) भाषा विचारों-भावों के आदान-प्रदान का साधन है।

   (ख) बोलने-सुनने में सक्षम लोग सांकेतिक भाषा का ही इस्तेमाल करते हैं।

   (ग) सरकार के काम-काज की भाषा मातृभाषा कहलाती है।

   (घ) हर भाषा की अपनी लिपि होती है।

(ङ) मानक भाषा द्वारा भाषा में भिन्नता लाई जाती है। ☐

(च) व्याकरण भाषा के नियमों का ज्ञान कराता है। ☐

बहुविकल्पी प्रश्न

4. उचित विकल्प चुनिए।

(क) भाषा के शुद्ध रूप के नियम कौन बताता है?

(i) लिपि ☐ (ii) व्याकरण ☐ (iii) भाषा के रूप ☐ (iv) वाक्य ☐

(ख) लिपि का अर्थ है –

(i) ध्वनि चिह्न ☐ (ii) लेखन कला ☐ (iii) वर्णों का क्रम ☐ (iv) भाषा नियम ☐

(ग) किस भाषा की लिपि देवनागरी नहीं है?

(i) मराठी ☐ (ii) नेपाली ☐ (iii) हिंदी ☐ (iv) असमिया ☐

रचनात्मक गतिविधि

◌ वर्ग पहेली में से भारत के विभिन्न राज्यों की भाषाएँ ढूँढ़कर लिखिए। साथ में उसके राज्य का नाम भी लिखिए।

म	ल	था	ल	म	रा	ठी	अ
गु	ज	रा	ती	णि	सिं	धी	स
ओ	र्दू	बो	ज्ञ	पु	मै	ने	मि
ड़ि	हिं	डो	ग	री	थि	पा	या
या	दी	छ	सं	था	ली	ली	कों
पं	जा	बी	स्कृ	क	श्मी	री	क
ते	लु	गु	त	न्न	स	श	णी
बाँ	ग्ला	उ	र्दू	ड़	त	मि	ल

राज्य	भाषा	राज्य	भाषा